मेवाड़ यूनिवर्सिटी में शोध कार्यशाला का समापन

गंगरार | मेवाड़ विश्वविद्यालय के एडवांस रिसर्च सेन्टर के तत्वावधान में चार दिवसीय शोध पत्र लेखन के लिए प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय में चल रहे शोध कार्यक्रमों में गुणवत्ता और शोध स्तर को ऊंचा उठाना है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता इन्दौर आईआईएम के मनोज कुमार यादव ने शोध सम्बन्धी समस्याओं पर गहन चर्चा की। शिक्षकों ने विशेषज्ञ के साथ शोध एवं शोध पत्र लेखन की बारीकियों को सीखा एवं व्यक्तिगत रूप से आने वाली शोध समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हरिसिंह चौहान ने शोध के नये आयामों और वर्तमान स्थितियों पर प्रकाश डालते हुए नए अवसरों को सुझाया और शोध को बेहतर बनाने के लिये सुझाव दिये।कार्यक्रम के संयोजक सैयद नासिर हसन और सह-संयोजक डॉ. ज्योति सिंह राघव रहे। तकनीकी सत्र का संचालन प्रो. कपिल नाहर ने किया।

Dainik Bhaskar 12-12-2021

चार दिवसीय शोध पत्र लेखन प्रोत्साहन कार्यशाला

गंगरार, 11 दिसम्बर (जसं.)। मेवाड़विश्वविद्यालय के एडवान्स रिसर्च सेन्टर के तत्वाधान में चार दिवसीय शोध पत्र लेखन हेतु प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालय में चल रहे शोध कार्यक्रमों में गुणवत्ता और शोध स्तर को ऊंचा उठाना है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता इन्दौर आईआईएम के मनोज कुमार यादव ने शोध सम्बन्धी सभी समस्याओं पर गहन चर्चा की। शिक्षकों ने विशेषज्ञ के साथ शोध एवं शोध पत्र लेखन की बारिकियों को सीखा व व्यक्तिगत रुप से आने वाली शोध समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हरिसिंह चौहान ने शोध के नये आयामों और वर्तमान स्थितियों पर प्रकाश डालते हुऐ नये अवसरों को सुझाया। उन्होंने शोध को बेहतर बनाने के लिये सुझाव भी दिये। कार्यक्रम के संयोजक सैयद नासिर हसन और सह-संयोजक डॉ. ज्योति सिंह राघव रहे। इस चार दिवसीय कार्यक्रम के तकनीकी सत्र का संचालन प्रो. कपिल नाहर ने किया।

Jannayak 12-12-2021

शोध कार्यशाला का समापन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय के एडवान्स रिसर्च सेन्टर के तत्वाधान में चार दिवसीय शोध पत्र लेखन के लिए प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय में चल रहे शोध कार्यक्रमों में गुणवत्ता और शोध स्तर को ऊंचा उठाना है। कार्यशाला में मेवाड़ विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता इन्दौर आईआईएम के मनोज कुमार यादव ने शोध सम्बन्धी सभी समस्याओं पर गहन चर्चा की। शिक्षकों ने विषेषज्ञ के साथ शोध एवं शोध पत्र लेखन की बारिकीयों को सीखा एवं व्यक्तिगत रूप से आने वाली शोध समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हरिसिंह चौहान ने शोध के नये आयामों और वर्तमान स्थितियों पर प्रकाश डालते हुऐ नये अवसरों को सुझाया और शोध को बेहतर बनाने के लिये सुझाव दिये। संयोजक सैयद नासिर हसन और सह-संयोजक डॉ. ज्योति सिंह राघव रहे। इस चार दिवसीय कार्यक्र म के तकनीकी सत्र का संचालन प्रो. कपिल नाहर ने किया।

Rajasthan Patrika 12-12-2021